अध्याय 2: सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' (सरोज स्मृति) - महत्वपूर्ण प्रश्नोत्तर

1. बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs)

1. **'सरोज स्मृति' किस प्रकार की कविता है?**
    - **(क) वीर रस की कविता**
    - **(ख) शोक-गीत (Elegy)**
    - **(ग) प्रकृति चित्रण**
    - **(घ) व्यंग्य कविता**
    - **उत्तर: (ख) शोक-गीत**
2. **निराला ने 'माँ की कुल शिक्षा' अपनी पुत्री को स्वयं क्यों दी?**
    - **(क) क्योंकि उनकी पत्नी का देहांत हो चुका था**
    - **(ख) क्योंकि वे शिक्षक थे**
    - **(ग) क्योंकि सरोज पढ़ना नहीं चाहती थी**
    - **(घ) क्योंकि वे परंपराओं को नहीं मानते थे**
    - **उत्तर: (क) क्योंकि उनकी पत्नी का देहांत हो चुका था**
3. **सरोज का लालन-पालन कहाँ हुआ था?**
    - **(क) पिता के गाँव में**
    - **(ख) ससुराल में**
    - **(ग) ननिहाल में**
    - **(घ) छात्रावास में**
    - **उत्तर: (ग) ननिहाल में**
4. **'दुख ही जीवन की कथा रही' पंक्ति किस कवि की है?**
    - **(क) जयशंकर प्रसाद**
    - **(ख) सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'**

- (ग) सुमित्रानंदन पंत
- (घ) महादेवी वर्मा
- उत्तर: (ख) सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'

5. सरोज के विवाह में कौन-सा राग नहीं गूँजा?
   - (क) मंगल राग
   - (ख) विवाह-राग
   - (ग) भैरवी
   - (घ) वसंत राग
   - उत्तर: (ख) विवाह-राग
6. निराला ने सरोज की तुलना किससे की है?
   - (क) अपनी माँ से
   - (ख) शकुंतला से
   - (ग) मेनका से
   - (घ) उर्मिला से
   - उत्तर: (ख) शकुंतला से
7. 'आकाश बदलकर बना मही' में 'मही' का अर्थ क्या है?
   - (क) आकाश
   - (ख) समुद्र
   - (ग) पृथ्वी
   - (घ) चंद्रमा
   - उत्तर: (ग) पृथ्वी
8. सरोज की मृत्यु कहाँ हुई थी?
   - (क) निराला के घर पर

- (ख) ननिहाल में
- (ग) ससुराल में
- (घ) तीर्थ स्थान पर
- उत्तर: (ख) ननिहाल में

9. निराला ने अपनी पुत्री का तर्पण किस प्रकार किया?
   - (क) जल और पुष्पों से
   - (ख) अपने संचित पुण्य कर्मों को अर्पित करके
   - (ग) भारी दान-दक्षिणा देकर
   - (घ) मंदिर बनवाकर
   - उत्तर: (ख) अपने संचित पुण्य कर्मों को अर्पित करके
10. कवि निराला ने स्वयं को 'भाग्यहीन' क्यों कहा है?
   - (क) क्योंकि वे गरीब थे
   - (ख) क्योंकि उन्होंने अपने सभी प्रियजनों को खो दिया था
   - (ग) क्योंकि उन्हें प्रसिद्धि नहीं मिली
   - (घ) क्योंकि उनकी पुत्री पढ़ी-लिखी नहीं थी
   - उत्तर: (ख) क्योंकि उन्होंने अपने सभी प्रियजनों को खो दिया था

2. एक पंक्ति वाले प्रश्न (Very Short Answer)

1. 'सरोज स्मृति' कविता किसकी याद में लिखी गई है?
   - उत्तर: यह कविता निराला की दिवंगत पुत्री सरोज की याद में लिखी गई है।
2. सरोज के नयनों से कौन-सा आलोक उतरकर अधरों पर काँप रहा था?
   - उत्तर: सरोज की आँखों से लज्जा और प्रसन्नता का आलोक अधरों पर मुस्कान बनकर काँप रहा था।
3. विवाह के अवसर पर सरोज की पुष्प-सेज किसने सजाई थी?
   - उत्तर: निराला ने स्वयं अपनी पुत्री की पुष्प-सेज सजाई थी।

4. **कवि को सरोज के रूप में किसका प्रतिरूप दिखाई देता है?**
    - **उत्तर: कवि को सरोज के रूप में अपनी स्वर्गीया पत्नी का प्रतिरूप दिखाई देता है।**
5. **'शृंगार रहा जो निराकार' से क्या तात्पर्य है?**
    - **उत्तर: इसका तात्पर्य उस सौंदर्य से है जो केवल विचारों और कविता में था, जिसका कोई भौतिक अस्तित्व नहीं था।**
6. **सरोज को माँ का प्यार और दुलार कहाँ से प्राप्त हुआ?**
    - **उत्तर: सरोज को माँ का प्यार और दुलार उसके नाना-नानी और मामा-मामी से ननिहाल में प्राप्त हुआ।**
7. **निराला ने सरोज के विवाह को 'अमूल नवल' क्यों कहा है?**
    - **उत्तर: क्योंकि यह विवाह रूढ़ियों से मुक्त, अत्यंत सादा और दिखावे से रहित था।**
8. **'वह लता वहीं की, जहाँ कली तू खिली' पंक्ति में 'लता' कौन है?**
    - **उत्तर: यहाँ 'लता' सरोज की माता की ओर संकेत करती है।**
9. **सरोज की मृत्यु पर निराला ने क्या प्रण लिया?**
    - **उत्तर: निराला ने अपने समस्त शुभ कर्मों का फल अपनी पुत्री को अर्पित करने का प्रण लिया।**
10. **सरोज स्मृति में कवि की कौन-सी वेदना प्रकट हुई है?**
    - **उत्तर: इसमें एक पिता की अपनी संतान के प्रति कुछ न कर पाने की विवशता और अकर्मण्यता प्रकट हुई है।**

3. **तीन पंक्ति वाले प्रश्न (Short Answer)**

1. **सरोज के नव-वधू रूप का वर्णन कीजिए।**
    - **उत्तर: नव-वधू के रूप में सरोज अत्यंत सुंदर लग रही थी। उसके चेहरे पर मंद मुस्कान थी और उसकी आँखों में एक नई चमक थी। उसके शृंगार में सादगी थी और वह अपनी स्वर्गीया माता की छवि लग रही थी।**

2. कवि को अपनी स्वर्गीया पत्नी की याद क्यों आई?

    - उत्तर: जब निराला ने सरोज को विवाह के जोड़े में देखा, तो उन्हें अपनी पत्नी के विवाह के समय का रूप याद आ गया। सरोज की लज्जा और उसका सौंदर्य बिल्कुल उसकी माँ जैसा था, इसलिए वे भावुक हो गए।

3. 'आकाश बदल कर बना मही' पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए।

    - उत्तर: कवि की पत्नी की मृत्यु हो चुकी थी (वह आकाश के समान अदृश्य थी)। जब उन्होंने अपनी पुत्री सरोज में पत्नी की छवि देखी, तो उन्हें लगा जैसे वह स्वर्ग का सौंदर्य पुत्री के रूप में पृथ्वी (मही) पर उतर आया हो।

4. सरोज का विवाह अन्य विवाहों से किस प्रकार भिन्न था?

    - उत्तर: सरोज के विवाह में न तो कोई शोर-शराबा था, न कोई रिश्तेदार और न ही रात भर गाए जाने वाले मंगल गीत। यहाँ केवल एक शांत संगीत (मौन) फैला हुआ था और पिता ने ही माता के समस्त कर्तव्यों का निर्वाह किया था।

5. निराला ने सरोज की तुलना कालिदास की 'शकुंतला' से क्यों की?

    - उत्तर: निराला को सरोज में शकुंतला की छवि दिखी क्योंकि शकुंतला भी सरोज की तरह माँ के बिना पली थी और प्रकृति के करीब थी। दोनों का स्वभाव बहुत सरल और निश्छल था।

6. ननिहाल में सरोज का लालन-पालन कैसे हुआ?

    - उत्तर: सरोज की माँ की मृत्यु के बाद उसके नाना-नानी ने उसे माँ जैसा प्यार दिया। वह ननिहाल की स्नेह-गोद में ही पली-बढ़ी और वहीं वह कली की तरह खिली। मामा-मामी ने भी उस पर बादलों की तरह प्यार बरसाया।

7. 'दुख ही जीवन की कथा रही' - इस पंक्ति के माध्यम से कवि क्या कहना चाहता है?

    - उत्तर: निराला का जीवन संघर्षों और दुखों से भरा रहा। उन्होंने बचपन में माँ को, जवानी में पत्नी को और अंत में अपनी इकलौती पुत्री को खो दिया। उनके लिए जीवन केवल पीड़ा की एक लंबी कहानी बनकर रह गया।

8. पिता के रूप में निराला के 'अकर्मण्यता बोध' पर प्रकाश डालिए।

- उत्तर: निराला को यह दुख था कि आर्थिक तंगी के कारण वे अपनी पुत्री को वह सुख-सुविधा और विलासिता नहीं दे पाए, जो एक पिता अपनी बेटी को देना चाहता है। पुत्री की मृत्यु ने उनके इस पछतावे को और बढ़ा दिया।

9. 'सरोज स्मृति' को हिंदी का सर्वश्रेष्ठ शोक-गीत क्यों माना जाता है?

   - उत्तर: क्योंकि इसमें कवि ने अपने व्यक्तिगत दुख को बहुत ईमानदारी और गहराई से व्यक्त किया है। यह केवल एक मृत्यु पर रुदन नहीं है, बल्कि समाज के प्रति आक्रोश और पिता के वत्सल भाव का अद्भुत संगम है।

10. तर्पण के समय कवि ने क्या अर्पित किया?

    - उत्तर: निराला के पास कोई भौतिक संपदा नहीं थी। उन्होंने अपने जीवन भर के पुण्य कर्मों, धर्म और सात्विक कार्यों के फल को अपनी पुत्री की आत्मा की शांति के लिए अर्पित कर दिया, जिसे उन्होंने 'तर्पण' कहा।

4. पाँच से छह पंक्ति वाले प्रश्न (Long Answer)

1. 'सरोज स्मृति' कविता में चित्रित पिता-पुत्री के संबंधों पर विस्तार से प्रकाश डालिए।

   - उत्तर: इस कविता में पिता और पुत्री के बीच एक अत्यंत भावुक और पवित्र संबंध का चित्रण हुआ है। निराला एक ऐसे पिता हैं जो अपनी पुत्री के लिए माता के कर्तव्यों का भी पालन करते हैं। विवाह के समय सरोज को माँ की शिक्षा देना और उसकी सेज सजाना उनके गहरे प्रेम को दर्शाता है। वे अपनी पुत्री को अपनी अंतिम आशा और सहारा (संबल) मानते हैं। पुत्री की मृत्यु उन्हें भीतर तक झकझोर देती है और वे खुद को अपराधी महसूस करते हैं कि वे उसके लिए कुछ अधिक नहीं कर सके। अंत में, वे अपने समस्त पुण्यों का त्याग कर अपनी पुत्री का तर्पण करते हैं, जो उनके अगाध वात्सल्य का प्रमाण है।

2. "दुख ही जीवन की कथा रही, क्या कहूँ आज, जो नहीं कही!" - इन पंक्तियों के आधार पर निराला के जीवन-संघर्ष का वर्णन कीजिए।

   - उत्तर: ये पंक्तियाँ निराला के पूरे जीवन का सारांश प्रस्तुत करती हैं। निराला का जीवन संघर्षों की एक लंबी श्रृंखला था। उन्होंने बहुत कम आयु में अपनी माता को खोया, फिर पिता और चाचा का देहांत हुआ। पत्नी की मृत्यु ने उन्हें तोड़ दिया और अंततः युवा पुत्री सरोज के निधन ने उन्हें पूरी तरह एकाकी

बना दिया। साहित्यिक क्षेत्र में भी उन्हें उपेक्षा और आर्थिक संकटों का सामना करना पड़ा। उन्होंने अपने स्वाभिमान को कभी नहीं झुकने दिया, लेकिन इसके लिए उन्हें भारी कीमत चुकानी पड़ी। उनका दुख केवल व्यक्तिगत नहीं था, बल्कि एक संवेदनशील कलाकार का संसार की क्रूरता के विरुद्ध संघर्ष था।

3. सरोज के विवाह के दृश्य को निराला ने 'अमूल नवल' क्यों कहा है? इसकी विशेषताओं पर चर्चा कीजिए।

    - उत्तर: निराला ने सरोज के विवाह को 'अमूल नवल' इसलिए कहा क्योंकि यह परंपरागत तड़क-भड़क वाले विवाहों से पूरी तरह अलग था। इसमें आडंबरों और रूढ़ियों का अभाव था। इस विवाह में न तो बैंड-बाजा था, न आतिशबाजी और न ही दूर-दूर के मेहमान। कोई निमंत्रण पत्र नहीं भेजा गया था और न ही रति-जगा हुआ था। इसमें केवल एक पवित्र खामोशी थी जो संगीत की तरह गूँज रही थी। निराला ने स्वयं माँ की भूमिका निभाते हुए समस्त अनुष्ठान पूरे किए। यह विवाह सादगी और आत्मिक प्रेम का एक नया उदाहरण प्रस्तुत करता था।

4. निराला ने अपनी पुत्री की तुलना कालिदास की 'शकुंतला' से किस आधार पर की और उनमें क्या समानताएँ व भिन्नताएँ बताईं?

    - उत्तर: निराला को सरोज में शकुंतला की छवि दिखी क्योंकि दोनों ही माँ के प्यार से वंचित थीं और दोनों का पालन-पोषण प्रकृति के सान्निध्य में हुआ था। शकुंतला की माँ मेनका उसे छोड़कर चली गई थी, और सरोज की माँ की मृत्यु हो गई थी। यहाँ समानता यह है कि दोनों मातृत्व विहीन थीं। परंतु निराला ने एक बड़ी भिन्नता भी बताई। शकुंतला का विदाई दृश्य उत्सव जैसा था और वह अपने पति के घर जा रही थी, जबकि सरोज की 'विदाई' इस संसार से हुई थी। सरोज का पाठ शकुंतला से अधिक दुखद और उसकी कला अधिक पीड़ादायक थी।

5. 'सरोज स्मृति' कविता के आधार पर सरोज के व्यक्तित्व की प्रमुख विशेषताओं का चित्रण कीजिए।

    - उत्तर: सरोज निराला के व्यक्तित्व की सादगी और उनकी पत्नी के सौंदर्य का मिश्रण थी। वह एक शांत, गंभीर और निश्छल हृदय वाली युवती थी। उसके चेहरे पर हमेशा एक सहज मुस्कान और आँखों में लज्जा का भाव रहता था।

वह चंचलता के बजाय गंभीरता और धैर्य से भरी थी। ननिहाल में वह सबकी चहेती थी और उसने अपने भाग्यहीन पिता के कष्टों को मूक रहकर समझा। उसका सौंदर्य बनावटी नहीं बल्कि प्राकृतिक था। वह एक आदर्श पुत्री थी, जिसने अपने पिता के अभावों को कभी बोझ नहीं समझा और अंत समय में भी मौन रहकर मृत्यु को स्वीकार किया।

6. कवि निराला ने अपनी पुत्री के तर्पण के लिए 'गत कर्मों का अर्पण' करने की बात क्यों कही?
    - उत्तर: परंपरागत तर्पण जल, तिल और कुश से किया जाता है, लेकिन निराला ने इसे एक नया और आध्यात्मिक रूप दिया। निराला आर्थिक रूप से बहुत कमजोर थे, उनके पास पुत्री को देने के लिए धन नहीं था। वे स्वयं को एक असफल पिता मानते थे। इसलिए उन्होंने ईश्वर से प्रार्थना की कि यदि उन्होंने अपने जीवन में कभी कोई नेक काम किया हो, कोई धर्म का पालन किया हो, तो उसका सारा फल उनकी पुत्री सरोज को प्राप्त हो। यह उनके त्याग की पराकाष्ठा थी। वे अपने अस्तित्व को अपनी पुत्री में विलीन कर देना चाहते थे ताकि उसे मोक्ष प्राप्त हो सके।
7. इस कविता में समाज के प्रति निराला का आक्रोश किस रूप में प्रकट हुआ है?
    - उत्तर: यद्यपि यह एक शोक-गीत है, लेकिन इसमें निराला का सामाजिक यथार्थ के प्रति आक्रोश भी झलकता है। वे समाज को संवेदनहीन मानते हैं जिसने उनके संघर्षों में कभी साथ नहीं दिया। सरोज के विवाह में किसी को न बुलाना समाज के प्रति उनके विरोध का एक तरीका था। 'अकर्मण्यता बोध' के पीछे कहीं न कहीं वह सामाजिक ढाँचा भी है जिसने एक प्रतिभाशाली कवि को आर्थिक रूप से पंगु बना दिया था। वे स्वयं को 'भाग्यहीन' कहते हुए उस व्यवस्था पर चोट करते हैं जहाँ एक पिता अपनी संतान की उचित सेवा करने में भी असमर्थ हो जाता है।
8. 'सरोज स्मृति' में प्रयुक्त प्रकृति-चित्रण और मानवीय संवेदनाओं के अंतर्संबंधों को समझाइए।
    - उत्तर: निराला ने प्रकृति को मानवीय संवेदनाओं का साथी बनाया है। वे सरोज को 'वसन्त की प्रथम गीति' कहते हैं, जो उसके यौवन की ताजगी को दर्शाता है। सरोज का ननिहाल में कली की तरह खिलना और फिर मुरझा जाना

(मृत्यु) प्रकृति के चक्र के माध्यम से पुत्री के जीवन की क्षणभंगुरता को बताता है। 'शीत के-से शतदल' (कमल) के माध्यम से वे अपने कार्यों के नष्ट होने की तुलना करते हैं। यहाँ प्रकृति केवल शोभा के लिए नहीं है, बल्कि वह कवि के सुख और दुख के हर क्षण को अधिक गहरा और प्रभावी बनाने का काम करती है।

9. निराला की काव्य-भाषा की विशेषताओं का 'सरोज स्मृति' के संदर्भ में विश्लेषण कीजिए।

    - उत्तर: इस कविता की भाषा तत्समप्रधान (संस्कृतनिष्ठ) खड़ी बोली है, जो विषय की गंभीरता के अनुकूल है। निराला ने 'आमूल नवल', 'स्प्रंद', 'उच्छ्वसित-धार' जैसे कठिन शब्दों का प्रयोग किया है, लेकिन फिर भी पीड़ा इतनी स्पष्ट है कि पाठक के हृदय को छू लेती है। भाषा में अर्थ का 'कसाव' और शब्दों की 'मितव्ययिता' है। वे कम शब्दों में बहुत बड़ी बात कह देते हैं। कविता की शैली में एक लय और प्रवाह है जो विलाप की ध्वनि पैदा करता है। इसमें अलंकारों का सहज प्रयोग हुआ है जो कविता के सौंदर्य को बढ़ाता है।

10. आज के समय में 'मुझ भाग्यहीन की तू संबल' पंक्ति की प्रासंगिकता क्या है?

    - उत्तर: यह पंक्ति आज भी उतनी ही प्रासंगिक है जितनी निराला के समय में थी। यह एक पिता की अपनी पुत्री के प्रति निर्भरता और प्रेम को दर्शाती है। आज जब हम 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' जैसे अभियानों की बात करते हैं, तो निराला की यह पंक्ति हमें याद दिलाती है कि बेटियाँ केवल जिम्मेदारी नहीं, बल्कि पिता का सबसे बड़ा सहारा और शक्ति होती हैं। यह समाज को यह संदेश देती है कि पुत्री के अभाव में जीवन कितना सूना और अर्थहीन हो जाता है। निराला की पीड़ा हर उस पिता की पीड़ा है जो अपनी संतानों के भविष्य के लिए संघर्ष कर रहा है।